तापमान

अधिकतम 38.0 डिग्री

न्यूनतम 24. 0 डिग्री

हरिभूमि

जांजगीर-चांपा भूमि

बिलासपुर, रविवार, 30 मार्च 2025

अकलतरा | बलौदा | नवागढ़ | पामगढ़ | मालखरौदा |जैजैपुर| डभरा | सक्ती

4 नगर में अभियान चलाकर नगर वासियों को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

खबर संक्षेप

तालाब के पास जुआ खेलते 12 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। चांपा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिवनी में जुआ खेलने वाले 12 जुआरियों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 52 पत्ती तास, नगदी रकम 22 हजार 9 सौ रूपये बरामद किया। ग्राम सिवनी मे तालाब के पास बिजली खंभा के नीचे कुछ लोग रुपए पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। चांपा टीआई जय प्रकाश गुप्ता द्वारा रेड कार्यवाही कर 12 जुआरियों को जुआ खेलते पकड़ा गया। जुआरियों से कुल 22 हजार 9 सौ रुपये नगदी और ताश पत्ती जप्त किया। सभी जुआरियों के विरुद्ध छ. ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत कार्यवाही किया गया।

चैत्र नवरात्र आज से, जिले के देवी मंदिरों में जगमगाएंगे आस्था के दीप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

चैत्र नवरात्र के लिए देवी मंदिरों में आस्था के दीप रविवार से जगमाएंगे। मां चंद्रहासिनी, अष्टभुजी, महामाया, मनकादाई, अन्नधरी, सरई श्रृंगार सहित अन्य देवी मंदिरों में पूरे 9 दिनों तक श्रद्धालुओं की भीड उमडेगी। शहर सहित जिले का माहौल आज से ही भक्तिमय हो गया है। देवी मंदिरों में चैत्र नवरात्र की तैयारी पूरी हो चुकी है।

रविवार 30 मार्च से शुरु हो रहे चैत्र नवरात्र के लिए मंदिरों में रंग-रोगन कर सजाया गया है। कई मंदिरों में आकर्षक लाइट व झालर भी लगाए गए है जिससे मंदिरों की अनोखी छटा बिखर रही है। कई मंदिर व घरों में जवारा बोया जाएगा। हिन्दू धर्म में शिव और विष्णु भगवान के पूजन के साथ शक्ति पूजा का भी विशेष महत्व है। यद्यपि सालभर में चार नवरात्रियां होती हैं, लेकिन शारदीय नवरात्रि और बासंती नवरात्रि पर ही जिले के देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इन दोनों अवसरों पर श्रद्धालु मां दुर्गा के विभिन्न रूपों काली, चंडी, शारदा, सम्लेश्वरी, बम्लेश्वरी, अन्नपूर्णा, मनका दाई आदि की आराधना करते हैं। नवरात्रि को लेकर जिला मुख्यालय के शारदा मंदिर, देवीदाई मंदिर पुरानी बस्ती, समलाई मंदिर चांपा, मां मनका मंदिर खोखरा, चंद्रपुर स्थित मां चंद्रहासिनी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर शिवरीनारायण, हरदी महामाया एवं अष्टभुजी मंदिर अड़भार, चण्डी मंदिर केरा में तैयारी पूरी हो गई हैं। प्रसिद्ध चंद्रहासिनी मंदिर , मनकादाई मंदिर खोखरा में ज्योति कलश जलाने की तैयारी पूरी हो गई है।

चंद्रहासिनी, अष्टभुजी, महामाया, मनकादाई, अन्नधरी में उमड़ेगी भीड़

चांपा के देवी मंदिरों में ज्योति कलश होंगे प्रज्जवलित

चांपा। कोसा, कांसा एवं कंचन के लिए सुप्रसिद्ध चांपा नगर अपने देवी मंदिरों के लिए भी अंचल में सुविख्यात है। नगर में रविवार 30 मार्च से आदिशक्ति माता भवानी की पूजा - आराधना का महापर्व चैत्र नवरात्रि शुरू हो रहा है। रविवार को सभी मंदिरों में घट स्थापना के साथ श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी संख्या में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित कराये जाएंगे। नगर के हृदयस्थल देवांगन पारा स्थित नगर की कुलदेवी मां सम्लेश्वरी मंदिर, पुराना कॉलेज रोड स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर, हटरी बाजार स्थित भकलू बाबा के मां दुर्गा मंदिर, देवांगन पारा स्थित मां संतोषी मंदिर, इमलीघाट स्थित माता शीतला मंदिर तथा रामबांधा तालाब के दक्षिणी छोर पर स्थित मां महामाया - सम्लेश्वरी मंदिर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। रविवार को शुभ मुहूर्त में सभी मंदिरों में घट स्थापना के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित कराये जायेंगे।

अंचल में चैत्र नवरात्रि का महापर्व आज से

बिर्रा। अंचल सहित ग्राम बिर्रा में मां चंडी मंदिर में विश्व-कल्याण के लिए चैत्र वासंती नवरात्रि पर्व पर 30 मार्च से 6 अप्रैल तक नवरात्रि पर्व का आयोजन किया गया है। जिसमें मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित होंगे। आचार्य पं सुरेन्द्र कुमार दुबे होंगे। मंगल ज्वारा और ज्योति कलश हेतु घृत ज्योति 1551 रू.तेल ज्योति 751 रू.और मंगल ज्वारा 251 रूपए के साथ रसीद प्राप्त कर सकते हैं। नवरात्रि पर्व को लेकर जय मां चंडी विकास समिति बिर्रा एवं समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं। इसी तरह घिवरा ,किकिरदा, करही, सिलादेही के अलावा क्षेत्र के गांवों में भी चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर ज्योति कलश प्रज्वलित किया जाएगा। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है। चैत्र नवरात्रि में पूरे 9 दिनों तक देवी मंदिरों मे मेले जैसा माहौल देखने को मिलेगा।

कर वसूल करने अंतिम दिनों में हो रही मशक्कत, अवकाश के दिन भी कर रहे काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

नगर पालिका का पूरा अमला इन दिनों जल कर, संपत्ति कर, समेकित कर सहित अन्य करों की वसूली में दिन रात मशक्कत कर रहा है। शहर में पालिका को तकरीबन 3 करोड़ 67 लाख रुपए की कर वसूली करनी है, जिसके विरूद्ध अभी करीब 75 फीसदी वसूली हो सकी है। वसूली का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने अवकाश के दिनों में काम किया जा रहा है।

खास बात

- 3 करोड़ 67 लाख में लगभग 75 प्रतिशत की वसूली

गौरतलब है कि नगर पालिका परिषद द्वारा शहरी सीमा अंतर्गत निवासरत जनता और व्यापारियों से विभिन्न प्रकार के कर वसूल किए जाते है, वैसे तो कर जमा करने की कोई समय सीमा नहीं होती। साल भर कर जमा करने की प्रक्रिया चलती रहती है, लेकिन वित्तीय वर्ष की समाप्ति में इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। इसी को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा इस बार जांजगीर नैला शहर में 3 करोड़ 67 लाख रुपए की कर वसूली का लक्ष्य रखा गया था। इस लक्ष्य को हासिल करने पालिका का पूरा अअमला अंतिम दिनों में पूरी ताकत से जुटा हुआ है। नगर पालिका से मिजी जानकारी के अनुसार मार्च महीने में सर्वाधिक वसूली हुई है। अभी तक लक्ष्य से 70 फीसदी से अधिक की कर वसूली कर ली गई है। शेष राशि की वसूली के लिए राजस्व विभाग की पूरी टीम दिन रात जुटी हुई है। स्थिति यह है कि महीने के आखिरी दिनों में शनिवार रविवार और सोमवार को पड़ रहे अवकाश के दिन भी कर वसूली का काम करने का निर्णय लिया गया है। शनिवार को अवकाश के दिन भी नगर पालिका में कर जमा करने वालों की भीड़ लगी रही। बताया जाता है कि 31 मार्च तक कर जमा करने पर सरचार्ज सहित अन्य शुल्क नहीं देना पड़ेगा। इसके बाद की तिथि में राशि जमा करने पर सरचार्ज लगेगा।

अवकाश के दिन भी जमा ले रहे कर

कर वसूली का काम जोर शोर से चल रहा है। वित्तीय वर्ष समाप्ति में दो दिन शेष है। अवकाश के दिनों में भी कर वसूली का काम कर रहे है। समय की कोई बाध्यता नहीं है। पेनाल्टी से बचने आम जनता को वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व कर पटाने प्रेरित कर रहे है। लगभग 75 फीसदी वसूली हो चुकी है। वसूली बढ़ाने पूरा प्रयास जारी है।

-प्रहलाद पाण्डेय,
सीएमओ, नपां जांजगीर नैला

कुरदा में अभियान चलाकर तालाब किनारे से हटाया अतिक्रमण

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते अमला।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मालखरौदा

मालखरौदा ब्लाक के ग्राम पंचायत कुरदा में शासकीय जमीन पर बेजाकब्जा कर अहाता एवं फेसिंग तार के माध्यम से घेरा कर दिया था, जिसे प्रशासन एवं पुलिस टीम द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

ज्ञात हो कि छपोरा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कुरदा के दर्री तालाब के मेड़ को चुनाव से पहले 15 से 20 व्यक्तियों द्वारा पोल एवं फेसिंग कर बेजा कब्जा कर लिया था। जिसका शिकायत गांव के ग्रामीणों द्वारा तहसीलदार से किया गया था। जिस पर पटवारी द्वारा जांच प्रतिवेदन तहसीलदार को सौंपा गया था। मामला सही पाए जाने पर छपोरा तहसीलदार द्वारा 28 मार्च को तहसीलदार मालखरौदा तथा पटवारी पुलिस बल के साथ बेजा कब्जा हटाने पहुंचे, जहां जेसीबी से पक्के निर्माण कार्य को तोड़कर समतल किया गया तो तार फेंसिंग पोल को भी पूरी तरीके से हटाया गया। हटाते समय किसी ने प्रतिरोध नहीं किया। इससे पहले ग्राम कलमी के भाठापारा में भी खसरा नंबर 9 पर कुछ लोगों के द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया हटाया गया था। ग्राम पंचायत कुरदा में शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर अहाता निर्माण एवं फेसिंग तार घेरा करने से ना केवल लोगों को परेशानी हो रही थी बल्कि मवेशियों के लिए भी चारागाह की समस्या हो रही थी। जिस पर कार्रवाई की गई।

इस संबंध में मालखरौदा तहसीलदार मनमोहन प्रताप सिंह का कहना है कि मालखरौदा, कुरदा और कलमी का बेजा कब्जा हटाया गया है। आगे भी बेजाकब्जा हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

पेण्ड्री में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ आज से

जांजगीर-चांपा । जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पेण्ड्री में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत नवान्ह यज्ञ का आयोजन रविवार 30 मार्च से किया गया है। कथा वाचक पंडित अरविंद कुमार शर्मा सुकली वाले होंगे। संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा के पहले दिन रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद वेदी पूजन, भागवत महात्म्य के साथ कथा प्रारंभ होगा। सोमवार 31 मार्च को ब्यास आचार्य द्वारा मधु कैक्ट्भ संहार, शुकदेव अवतार, मंगलवार 1 अप्रैल को ब्यास उत्पत्ति, भीष्म कथा, बुधवार 2 अप्रैल को पाण्डव वंश, आस्तिक मुनि, सत्यवृत एवं ध्रुव संधि, गुरुवार 3 अप्रैल को कुमारी कथन, राम एवं कृष्ण कथा, शुक्रवार 4 अप्रैल को महिसासूर वध, रक्तबीज सेना संहार, शनिवार 5 अप्रैल को सुकन्या कथा, हरिश्चंद्र चरित्र, देवी लीला, रविवार 6 अप्रैल को नव कन्या पूजन, विध्यावाशिनी देवी कथा एवं चढ़ोत्री होगा। सोमवार 7 अप्रैल को हवन, सहस्त्रधारा के साथ कथा का समापन होगा। प्रतिदिन प्रातः वेदी पूजन, संकीर्तन एवं आरती का कार्यक्रम होगा। कथा दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन की तैयारी में लक्ष्मीनारायण-धनबाई, सम्मेलाल-जानकी, कौशल-फुलबाई,चंदराम-ईश्वरी, राजेन्द्र-किरण, मुनीराम-प्रतिभा, चंद्रशेखर-चंद्रकला, ननकीराम-तेरसमती, जगनथिया-खीखीनबाई सहित देवराम, संताराम, हरिशचरण, शिवचरण, जगदीश, अजय, डिगम्बर, हरिश, गंगाधर, विकास, प्रदीप, मनीष, प्रकाश, रोशन, धीरज, कांव्यांश एवं अन्य लोग जुटे हुए है।

किकिरदा में माता परमेश्वरी कथा महापुराण आज से

बिर्रा । जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत किकिरदा में देवांगन पारा के सामने में संगीतमय माता परमेश्वरी कथा यज्ञ महापुराण का शुभारंभ रविवार 30 मार्च को कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। कथावाचक किशन राव चांपा वाले होंगे। जिसका समापन 5 अप्रैल शनिवार को होगा। आयोजन की तैयारी को लेकर समस्त देवांगन समाज किकिरदा के लोग जुटे हुए हैं।

कुरियारी में कलश यात्रा के साथ आज प्रारंभ होगा देवी भागवत

गोधना। ग्राम कुरियारी के भाठापारा में नौ दिवसीय श्रीमद देवी भागवत महापुराण यज्ञ का आयोजन 30 मार्च से 7 अप्रैल तक होगा। वहीं 30 मार्च को सुबह 9 बजे यज्ञ स्थल से कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें गांव के माताएं, बहने एवं बालिकाएं भाग लेंगी। वहीं कथा वाचक पंडित प्रदीप कृष्ण शर्मा कोसीर वाले होंगे। कथा दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। गांव में श्रीमद् देवी भागवत यज्ञ महापुराण का आयोजन होने से ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किए।

छुट्टी के दिन भी खुले रहेंगे रजिस्ट्री दफ्तर

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिनों में लक्ष्य पूरा करने जुटा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मालखरौदा

वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में जमीन रजिस्ट्री का लक्ष्य पूरा करने की कवायद की जा रही है। जिसे लेकर पंजीयक कार्यालय की छुट्टियां निरस्त कर दी गई है। यानि की छुट्टी के दिन भी रजिस्ट्री आफिस खुले रहेंगे। सामान्य दिनों में जहां शाम 5 बजे तक काम होता है, वहीं क्लोजिंग माह के अंतिम दिनों में शाम 7 बजे तक रजिस्ट्री संबंधी कार्य किए जाएंगे।

आम लोगों की सुविधा के लिए शासन की ओर से आदेश जारी हुआ है। जिसका पालन जिले में भी हो रहा है। रजिस्ट्री दफ्तर छुट्टी के दिन भी खुले रहेंगे। इसे लेकर विभाग ने आदेश जारी कर दया है। मार्च के सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी रजिस्ट्री होगी। 30 मार्च रविवार और 31 मार्च वित्तीय वर्ष का अंतिम दिन होने के बाद भी सभी रजिस्ट्री कार्यालय खुले रहेंगे, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मार्च क्लोजिंग के चलते रजिस्ट्री दफ्तरों में भी भारी भीड़ लग रही है। आदेश के बाद मार्च माह के अंतिम चार दिनों में कोई छुट्टी नहीं होगी। जमीन की रजिस्ट्री कराने वालों को दो घंटे का अतिरिक्त समय भी दिया गया है। शाम 7बजे तक रजिस्ट्री कार्यालय में लोगों की चहल पहल देखने को मिल रही है।

एक अप्रैल से महंगी हो सकती है रजिस्ट्री–वित्तीय वर्ष समाप्ति के बाद नए वर्ष में रिव्यू की जाती है, ऐसे में रजिस्ट्री महंगी हो सकती है। है। इसी वजह से लोग साल खत्म होने से पहले ही रजिस्ट्री करा लेना चाहते हैं। अधिकारी बताते हैं कि आगामी वित्तीय वर्ष में रजिस्ट्री महंगी हो सकती है। हालांकि इसे लेकर उनके पास कोई आदेश वर्तमान में नहीं आया है।

सर्वर में आ रही समस्या–माह के अंतिम दिनों में पूरे प्रदेशभर में श रजिस्ट्री की रफ्तार बढ़ गई है। दो घंटे गि अतिरिक्त समय के साथ रजिस्ट्री दफ्तरों में कामकाज हो रहा है। इस बीच रजिस्ट्री क विभाग के साफ्टवेयर में तकनीकी शै समयस्या भी आ रही है। सर्वर में परेशानी भसे रजिस्ट्री कार्य में देरी हो रही है। बताया स जाता है कि एनजीडीआरएस साफ्टवेयर का संचालन रजिस्ट्री सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) पुणे करता है।उप पंजीयक मालखरौदा बनवारी कश्यप10 करोड़ का टारगेट मिला है अभी तक 40 प्रतिशत से ऊपर रजिस्ट्री हो चुका है। रविवार को भी कार्यालय खुला रहेगा।

चण्डी दाई मंदिर महंत में देवी-देवताओं को आमंत्रित करने निकाली गई शोभा यात्रा

जांजगीर-चांपा। सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी दाई तीरथ धाम महंत में नववर्ष चैत्र प्रतिपदा शुभागमन की पूर्व बेला में चण्डी दाई मंदिर से 29 मार्च को ग्राम के सभी स्थापित देवी देवताओं को आमंत्रित करने भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम के बड़ी संख्या में जन मानस ग्राम बैगाओं एवं कलश धारण किए कन्याओं के शोभा यात्रा में भाग लिया। शोभा यात्रा का शुभारंभ सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी दाई से नगर भ्रमण करते हुए सती दाई , ठाकुर देव , शीतला माता ,कुहकी पाठ, कुर्रू पाठ, बरम बाबा देव ,द्वारकाधीश ,पांच पांडव , कहरा पीपर बेड़ा , गौरा गौरी चौरा ,महावीर श्री हनुमान , काली माता ,सिद्ध बाबा ,हरिश्चंद्र , दमगढ़ा सहित सभी ग्राम देवताओं में धूप दीप चंदन बन्दन अर्पित करते हुए किया गया। इस अवसर पर सिद्ध शक्ति पीठ जय चण्डी दाई सेवा समिति के संयोजक देवेश कुमार सिंह ने बताया कि सर्व जन हिताय एवं सर्व जन सुखाय भावना के सभी श्रद्धालुओं के लिए नवरात्रि पर्व में अंचल एवं देश विदेश के भक्त जनों द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कराए जाते हैं जिस हेतु समस्त ग्राम वासियों एवं सेवा समिति के सदस्यों द्वारा पूर्ण रूपेण सनातनी परंपरा का निर्वहन करते हुए विधि विधान से पूजा अर्चना ,श्री दुर्गा सप्तशती पाठ की व्यवस्था रखी है ,जिसके अंतर्गत 30 मार्च चैत्र प्रतिपदा नव वर्ष शुभारंभ की बेला में निर्धारित समय 11.36 से 12.36 के मध्य श्री चण्डी दाई के गर्भ गृह में घट स्थापित किए जाने उपरांत सभी जनों के सुख शांति समृद्धि की कामना के साथ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलन उपरांत चैत्र नवरात्रि महापर्व का शुभारंभ होगा।

न्यायालयः सर्व विजय अग्रवाल चतुर्थ जिला न्यायाधीश, जांजगीर जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
आ.क्र. 152/25 12/3/25
व्यव.वाद क्रं. 16/24
संजय पाण्डेय वगैरह.....आवेदकगण
विरूद्ध
संजय बरेठ वगैरह.....अनावेदकगण
प्रति, संजय कुमार बरेठ उम्र 33 वर्ष, पिता बहोरनलाल बरेठ, निवासी ग्राम भांठापारा कुरदा तहसील चांपा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.)
इस न्यायालय में लंबित व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक 16 ए/2024 संजय पाण्डेय वगैरह विरूद्ध संजय बरेठ वगैरह द्वारा व्यवहार वाद प्रकरण के तहत इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है।
अतः अनावेदक क्रं. 1 संजय कुमार बरेठ उम्र 33 वर्ष, पिता बहोरनलाल बरेठ, निवासी ग्राम भांठापारा कुरदा तहसील चांपा, जिला जांजगीर चांपा (छ.ग.) को इस समाचार पत्र के माध्यम से सूचना दी जाती है कि पेशी तारीख 21/04/2025 को 10.30 बजे इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता जिसे प्रकरण की पूर्ण जानकारी हो, के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेवे, उक्त दिनांक को उपस्थित नहीं होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण की सुनवाई की जावेगी। जिसकी जवाबदारी आप पर होगी।
यदि किसी कारणवश दिनांक 21/04/2025 को अवकाश घोषित हो जाता है, तो उसके अगले दिवस में सुनवाई की जावेगी।
आज दिनांक 11/03/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया। दिनांकः 11/03/2025
(सर्व विजय अग्रवाल)
चतुर्थ जिला न्यायाधीश जांजगीर
जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

TOP IN JANJGIR

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
शिशु एवं बाल्यरोग विभाग
24x7 इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
• न्यूमोनिया, पायोथोरेक्स, सेप्टिक शॉक, उल्टी दस्त के साथ बच्चे का सुस्त हो जाना,
• तेज बुखार के साथ झटका आना, ए. आर. डी. एस. बच्चे को लगातार झटके आना,
• पीलिया, जन्म के समय गन्दा पानी पीना व सॉस न लेना, हाइपरटेंशन, लीवर फैलियर,
• डाइबिटिक कीटो एसिडोसिस, अस्थमा, बच्चों का बार बार बीमार पड़ना, इमरजेंसी सुविधाएं,
• गहन एवं गंभीर रूप से पीड़ित सभी बच्चों का इलाज हेतु एन.आई.सी.यु., पी.आई.सी.यू. की सुविधा,
• क्रिटिकल केयर विभाग, सभी तरह की आपातकालीन सुविधाएं,
• आकस्मिक दुर्घटना, सर की चोट, जहर खुरानी, माइग्रेन का इलाज, बिच्छू एवं सर्प दंश का इलाज,
• हृदयघात, छाती में भारीपन / दबाव/ असुविधा या दर्द, गंभीर संक्रमण, सॉस फूलना, मलेरिया डेंगू,
• तेज धड़कन, लकवा / पैरालिसिस, अचानक चक्कर आना, गंभीर संक्रमण आदि,
डॉ. दिलीप जैन
M.B.B.S, D.N.B, I.D.P.C.C.M
बाल्य गहन एवं क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट
बिलासपुर संभाग के प्रथम एवं एकमात्र बाल्य गहन चिकित्सा विशेषज्ञ
पताः- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
यूरोलॉजी विभाग (मूत्र एवं किडनी रोग)
जिले के प्रथम एवं एकमात्र यूरोलॉजिस्ट
• किडनी, मूत्रनली एवं पेशाब के थैली में पथरी (PCNL, URSL, SPCL, PCCL, RIRS)
• गुर्दा एवं पेशाब की थैली का कैंसर, प्रोस्टेट का बढ़ जाना (TURP),
• पेशाब का बार बार आना व कन्ट्रोल न होना, • पेशाब में खून व मवाद आना व जलन होना,
• पेशाब में रूकावट व जलन, • महिलाओं में खांसने व छींकने से पेशाब लिक होना,
• किडनी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, • पेशाब की नली में सिकुड़न व पतली धार होना,
• पुरुष नपुंसकता व बॉझपन, ए.वी. फिस्टुला ऑपरेशन (डायलिसिस हेतु)
• अत्याधुनिक दूरबीन, लेजर से पथरी व प्रोस्टेट का ऑपरेशन (बिना चिर फाड़ के)
• कैंसर (गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली व टेस्टिस के कैंसर का ऑपरेशन,
सुविधाएं
दूरबीन पद्धति से मूत्ररोग के सभी बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन
डॉ. प्रदीप जैन
M.B.B.S, M.S, MCh Urology (Mumbai)
Urologist, Andrologist & Renal Transplant Surgeon
पताः- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
दंत रोग विभाग
जिले की प्रथम एवं एकमात्र ऑर्थोडोंटिस्ट
• दांतों से सम्बंधित सभी प्रकार के समस्याओं का इलाज
• दाँतों की नसों का ईलाज (Root Canal Treatment - RCT), दर्द रहित दांत निकालना,
• टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों एवं जबड़ों का ईलाज (BRACES),
• हड्डी में फिक्स होने वाली बत्तीसी (IMPLANT), निकालने लगाने वाली बत्तीसी(DENTURES),
• आधुनिक मशीनों द्वारा दांतों की सफाई, कृत्रिम दाँत लगाना, लेजर द्वारा दाँतों में मसाला भरना,
• मुँह न खुलने व कम खुलने का ईलाज, मुँह के छालों का ईलाज (OSMF)
• दाँतों का एक्स-रे, दाँतों की ब्लीचिंग एवं व्हाइटनिंग,
• मुँह व दाँत सम्बंधित अन्य सभी बिमारियों का ईलाज, बच्चों के दंतरोगों का समूर्ण ईलाज
डॉ. सुमिता जैन
B.D.S, M.D.S-Orthodontics & Dentofacial Orthopedics (GOLD MEDALIST), M.R.H
दन्त एवं मुख रोग विशेषज्ञ
पताः- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
24/7 EMERGENCY SERVICES
• लेप्रोस्कोपी विधि द्वारा बच्चेदानी का ऑपरेशन, 24 घंटे नॉर्मल डिलीवरी और सीजीरियन डिलीवरी,
• बार बार गर्भपात होने का इलाज, बच्चेदानी की बंद ट्यूब को खोलना,
• बच्चेदानी की सफाई, मासिक सम्बन्धी बिमारियों का ईलाज,
• नसबंदी, युरिनरी समस्याएं, अनियंत्रित रक्त रिसाव, असमान्यतौर पर अचानक से रक्त का बहाव बढ़ जाना,
• बहुत ज्यादा पसीना आना, स्तन में गठान, गर्भावस्था की सम्पूर्ण जाँच,
• परिवार नियोजन सम्बन्धी सुविधाएँ, PCOD का ईलाज, सफ़ेद पानी (ल्यूकोरिया) का ईलाज,
• बच्चेदानी थैली, ओवरी के कैंसर व गठान का ईलाज,
• अन्य महिलाओं सम्बंधित बिमारियों का ईलाज एवं ऑपरेशन,
सुविधाएं
सोनोग्राफी की सुविधा प्रसवपूर्व जाँच एवं परामर्श
पताः- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

जिले में 55 बिस्तरों का राजकेसर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
जनरल सर्जरी, हड्डी रोग एवं ट्रॉमा विभाग
• पेट से सम्बंधित सारी बिमारियों का इलाज, आपेंडेक्टमी, गैलब्लैडर ऑपरेशन, हाइड्रोसील, बवासीर (पाइल्स),
• फिस्टुला, फिसर, आंतो की रुकावट, हार्निया ऑपरेशन, आंत-गुदा सम्बंधी ऑपरेशन,
• आंतो का फटना, वर्सेक्टमी, पुरुष एवं महिला नसबंदी, हेमोरोइड सर्जरी, थायरॉइड सर्जरी,
• सरकम सीजर (ख़तना), ब्रेस्ट (स्तन) कैंसर, पेट एवं मुँह के कैंसर रोग सर्जरी, पित्त की थैली (गॉलब्लेडर) की
• पथरी का ऑपरेशन, बच्चों के समस्त ऑपरेशन
• एक्सीडेंटल व ट्रॉमा का ईलाज, घुटने और कूल्हे की सर्जरी व प्रत्यारोपण,
• हड्डी टूटने के सर्जरी, पैर और पैर की उँगलियों की सर्जरी, सल्य विधि से स्कोलियोसिस का सर्जरी,
• शोल्डर और बाजु की सर्जरी, कमर दर्द एवं साइटिका, ऑर्थराइटिस,
• गठिया, हड्डी रोग का सम्पूर्ण ईलाज, बच्चों के समस्त हड्डी रोग का इलाज,
सुविधाएं
मॉडुलर ऑपरेशन थियेटर, सर्जिकल आई.सी.यू., आई.सी.यू., मेल- फीमेल वार्ड, वातानुकूलित प्राइवेट एवं सेमी प्राइवेट रुम आदि.
15 किलोमीटर तक एम्बुलेंस सुविधा मुफ्त भर्ती मरीज हेतु
सी.एस.ई.बी. कर्मचारियों व अन्य इंश्योरेंस कंपनियों से कैशलेस सुविधा
सोनोग्राफी, एक्स-रे, सी- आर्म, पैथोलेब, फार्मेसी, ई.सी.जी. ई. ई.जी. इस्पाइरोमेट्री एम्बुलेंस सुविधाएँ.
पताः- पोस्ट ऑफिस के सामने, अकलतरा रोड, बलौदा, जिला- जांजगीर चाम्पा (छ.ग.) पंजीयन हेतु न. 07817-296002, 8226056005, इमरजेंसी 7999640661

खुल गया खुल गया शादियों के सभी सामानों के लिए आपके बिलासपुर शहर का एकमात्र सस्ता बाजार खुल गया
महक इलेक्ट्रानिक एण्ड फर्नीचर
बैमा नगोई रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने, नजदीक रामा ग्रीन सिटी फेस 2 गेट के पास खमतराई, बिलासपुर (छ.ग.) मो. 9691914123
महा एक्सचेंज ऑफर कोई भी पुराना टीवी, फ्रीज, एसी, वाशिंग मशीन, सोफा, ऑलमारी, दिवान, डबल बेड, आदि अनेक इलेक्ट्रानिक्स व फर्नीचर समान लाइयें उचित मूल्य कटवाकर नया समान ले जाइयें।
बिलासपुर शहर का एकमात्र सस्ता बाजार महक इलैक्ट्रानिक्स एण्ड फर्नीचर में मात्र 42999/- में शादी का पूरा सामान इससे अच्छा, इससे सस्ता कहीं नहीं
LED TV 32* Rs, 6199/-
LED TV 40* Rs, 10999/-
LED TV 55* Rs, 27999/-
washing machine 5.5kg Rs, 6999/-
Fridge Single Door Rs, 9999/-
fridge Dual door Rs, 21999/-
Dining Table Glass Top Rs, 10999/-
Ac 1.5 Ton Rs, 30499/-
Diwan 6x6 Rs, 9999/-
Diwan 6x4 Rs, 5999/-
Amber Almirah Triple Door
Triple Door Almira Rs, 10499/-
Dressing Table Full Size Rs, 2699/-
Steel Bartan Set 51 Pcs Rs, 2999/-
Peta Rs, 599-4999/-
Induction Rs, 1199/-
Cooler full Size Rs, 3999/-
Silai Machine Rs, 4299/-
Geyser 10 Ltr. Rs, 3499/-
Mixer Grinder Militon Rs, 1499/-
Luxury Sofa Rs, 27999/-
Office Table Rs, 2799/-
Computer Table Rs, 1999/-
Gas Stove 3 burner Rs, 1499/-
Office Revolving Chair Rs, 2499/-
Visitor Chair Rs, 1499/-
Mandir Rs, 999/-
RO Water Purifier Rs, 9999/-
Ceiling Fan Rs, 999/-
Kitchen Chimney Rs, 6999/-
घर पहुंच सेवा दी जाएगी
सिल्वर पैक (42,999/-)
1. फ्रीज 180 लीटर
2. LED TV 24 इंच
3. अलमारी, 78 इंच फुल साइज
4. कुलर खोसला फुल साइज
5. ड्रेसिंग टेबल
6. सिलाई मशीन सिंगर
7. दीवान 6X4
8. डनलप गद्दा, 6X4 9. तकिया 2 पीस
10. बैड सीट 6X4
11.मिक्सर ग्राइंडर
12. कम्बल फुल साईज 6X6
13. नीलकमल स्टील बर्तन सेट 57 पीस
गोल्डन पैक (64, 999/-)
1. दीवान 6X4
2. फ्रीज 190 लीटर
3. सोफा लक्जरी फाइव सीटर
4. क्राउन LED TV 32 इंच
5. अलमारी, 78 इंच फुल साइज
6. कुलर क्राउन फुल साइज
7. ड्रेसिंग टेबल, 6X2
8. सिलाई मशीन एण्ड स्टैण्ड
9. ग्रद्दा डनलप 6X4
10. तकिया 2 पीस
11. गैस चुल्हा
12. शादी सामान के लिए पेटा 4X2
13. आयरन
14. मिल्टन मिक्सर ग्राइंडर
शादी एवं नवरात्रि के शुभ अवसर पर मात्र 10,000/- एडवांस देकर इसी रेट पर बुकिंग कराएं एवं घर पहुंच सेवा दी जाएगी
डायमंड पैक (94,999/-)
1. LG फ्रीज 190 लीटर
4. विडियोकोन LED TV 40 इंच
3. वाशिंग मशीन 6.5 kg.
4. अलमारी ट्रीपलडोर फुल साइज
5. ड्रेसिंग टेबल, 6X2
6. सोफा लक्जरी फाइव सीटर
7. नीलकमल स्टील बर्तन सेट 57 पीस
8. कुलर खोसला फुल साइज
9. सिंलाई मशीन सिंगर
10. काउनटर दीवान 6X6
11. ग्रद्दा डनलप 6X6
12. तकिया 2 पीस
13. शादी सामान के लिए पेटा 4X2
14. आयरन, कैन स्टार
15. कम्बल फुल साइज 6X6
16. बैड सीट 6X6
17. गैस चुल्हा
प्लैटिनम पैक (1,34,999/-)
1. दीवान सागोंन डीजाईन 6X6
2. फ्रीज 190 लीटर फ्लेवर प्रिंट
3. सोफा लक्जरी नीलकमल
4. ट्रिपल डोर अलमारी
5. कुलर सिम्फनी जुम्बो 45
6. ड्रेसिंग टेबल, 6X3 फुल साईज
7. पूजा इसिलाई मशीन एण्ड स्टैण्ड
8. मिल्टन मिक्सर ग्राइंडर
9. स्लीपफ्रेश गद्दा 5 इंच (3 साल वांरटी)
10. LED TV 42 इंच
12. स्टील बर्तन सेट 57 नग
13. सागोंन डाइनिंग टेबल ग्लास टाप सिक्स सीटर लक्जरी
14. ओरिण्ट आयरन,
15. वाटर हिटर
16. शादी सामान के लिए हेवी पेटा 6X3
आवश्यकता है- हमारे यहां सैल्स एवं एकाउण्ट का कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है।
नोटः-01. दूषित पानी की समस्या से निजात पाने के लिये आरो (इलेक्ट्रिक के द्वारा चलने वाली पानी फिल्टर) आसान से आसान किस्तों में बिना ब्याज के दिया जा रहा है। 02. हमारे यहां विवाह के अवसर पर सभी सामानों में विशेष डिस्काउंट के साथ बजाज फाइनेंस, आईडीएफसी बैंक का फाईनेंस सुविधा आसान से आसान किस्तों में उपलब्ध है।

29-Mar- JAS-KORIYA-RAG- JANJ- Bhoomi pg-3_Layout 1 3/29/2025 7:41 PM Page 1

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 30 मार्च 2025
P-3

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

अप्रैल फूल डे यानी मूर्ख दिवस आज भले ही दुनिया भर में लोग मनाते हैं। लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर अनेक तरह की मान्यताएं और किंवदंतियां प्रचलित हैं। अप्रैल फूल डे के इतिहास और इससे जुड़े तथ्यों पर एक नजर।

कल्पना कीजिए अगर हम हंसें नहीं, कोई हमें हंसाए नहीं तो जीवन में कितनी बोझिलता, नीरसता आ जाएगी! इस नीरसता को दूर करने के लिए हजारों साल से जोक्स सुनने और सुनाने की परंपरा बरकरार है। आज के दौर में इसकी महत्ता और बढ़ गई है। अप्रैल फूल हमें अपनों के साथ ऐसे ही जोकिंग का अवसर देता है, जिसे हमें बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

सुनिए-सुनाइए जोक्स लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

डॉक्टरः चिंता मत करो, यह छोटी सी सर्जरी है, घबराने की कोई बात नहीं!
मरीजः लेकिन डॉक्टर, मैं तो ऑपरेशन के लिए नहीं आया था!
डॉक्टरः अरे हां, सॉरी! मुझे आदत हो गई है ऐसा कहने की..!

यह जोक सरप्राइज एलिमेंट (अचानक ट्विस्ट) पर आधारित है, जो दिमाग को एक पल में चौंकाकर हंसा देता है। ऐसा होते ही अचानक पैदा हुआ तनाव गायब हो जाता है, जिससे मूड हल्का और फ्रेश महसूस होता है। कुछ सेकेंड्स का एक जोक या चुटकुला हमें पलभर में तरोताजा कर देता है, क्योंकि जोक्स का प्रभाव हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा मस्तिष्क एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) छोड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और हम रिलैक्स महसूस करते हैं। इसके अलावा, हंसी से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मांसपेशियों में आराम आता है और मूड फ्रेश हो जाता है। शायद इसी की महत्ता को समझते हुए अप्रैल फूल-डे जैसे आयोजनों की शुरुआत हुई।

हजारों साल पुरानी परंपराः दुनिया में जोक्स और हास्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना खुद इंसान है, इंसानी सभ्यता है। सबसे पुराने दर्ज जोक्स लगभग 4000 साल पुराने हैं। दुनिया के सबसे पुराने दर्ज जोक्स प्राचीन मेसोपोटामिया (1900 ईसा पूर्व) के हैं। प्राचीन मिस्र (1600 ईसा पूर्व) की सभ्यता में फिरौन के दरबारों में भी जोक्स सुनाए जाते थे। एक मशहूर चुटकुला इस तरह है- 'एक फिरौन अपनी नाव में यात्रा कर रहा था। एक भविष्यवक्ता ने कहा कि वह बहुत लंबी उम्र जिएगा। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 100 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-हां। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 200 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-बिल्कुल! फिरौन खुश हुआ और कहा-तो मैं अमर हूं! भविष्यवक्ता ने कहा-नहीं, लेकिन जब तक तुम मुझसे सवाल पूछते रहोगे, तब तक मैं हां कहता रहूंगा!'

वास्तव में यह राजाओं की चापलूसी और भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाने का तरीका था। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने भी हास्य को जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा है। प्राचीन एथेंस में एक जोकर क्लब था, जिसके दर्जनों जोक्स आज भी मिलते हैं, मसलन- 'एक आदमी डॉक्टर के पास गया और कहा- जब मैं आंखें खोलता हूं, तो मुझे कुछ नहीं दिखता! डॉक्टर बोला- तो आंखें बंद करके देखो!'

भारतीय इतिहास में भी है जिक्रः मिस्र और एथेंस की तरह प्राचीन भारत में भी संस्कृत साहित्य (नाट्यशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश, विदूषक पात्र) में हास्य व्यंग्य का भरपूर जिक्र मिलता है। पंचतंत्र की कहानियों में चतुराई भरे जोक्स और व्यंग्य हैं। भारतीय इतिहास में राजाओं के दरबारों में विद्वान विदूषकों जैसे तेनालीराम और बीरबल की भी मौजूदगी रही है, जो अपने बुद्धि-कौशल से सिर्फ दरबार का माहौल ही बोझिल होने से नहीं बचाते थे बल्कि हतप्रभ करने वाली चतुराई भरी बातें करके राजा सहित दरबारियों को हैरान कर देते थे, जिससे सभी तरोताजा महसूस करते थे।

नए दौर में जोक्स का जलवाः जोक्स का आधुनिक और व्यापक दौर 18वीं-19वीं शताब्दी में अखबारों और किताबों में जोक्स छपने से शुरू हुआ। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रेडियो, टीवी के कॉमेडी शो और स्टैंड-अप कॉमेडी से जोक्स हर जगह और अधिकतर लोगों तक पहुंचने लगे। इस 21वीं शताब्दी में इंटरनेट, सोशल मीडिया और मीम्स के रूप में जोक्स का जलवा हम सब देखते हैं। वास्तव में जोक्स का सबसे तेज और वैरायटी से भरा विकास इसी दौर में हो रहा है।

इसलिए जरूरी हैं जोक्सः सवाल है हर सभ्यता में, हर दौर में यानी जीवन में हमेशा जोक्स क्यों जरूरी माने जाते रहे हैं? जवाब है- जोक्स केवल हंसाने भर के लिए नहीं होते, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमारे तनाव को कम करते हैं, हमें हंसाते हैं और हंसने से शरीर में एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो तनाव और दर्द दोनों को गायब करने में मदद करता है। चुटकुलों या जोक्स से इंसान को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलती है, क्योंकि कठिन परिस्थितियों में हास्य एक सुरक्षातंत्र की तरह काम करता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं को हल्के-फुल्के तरीके से देख पाता है। साथ ही जोक्स हमें सामाजिक रूप से लोगों के साथ जोड़ता है। जोक्स साझा करने से लोगों के बीच नजदीकी बढ़ती है और यह सोशल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। साथ ही जोक्स से हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है। हास्य हमें चीजों को नए नजरिए से देखने और समस्याओं का हल अनोखे तरीके से निकालने में मदद करता है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आधुनिक तनाव भरी जीवनशैली में जोक्स और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि आज अधिकांश लोग काम के दबाव, सोशल मीडिया, आर्थिक चिंताओं और रिश्तों की उलझनों से घिरे रहते हैं। ऐसे में हास्य और जोक्स बेहद जरूरी हो गए हैं। *

जोक्स सुनाने वाले होते हैं ज्यादा स्मार्ट

ऐसा देखा गया है कि सामान्य तौर पर, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता (आईक्यू) और भावनात्मक समझ (ईक्यू) दोनों के बेहतर होने का सबूत होता है। क्योंकि जोक्स बनाने और सुनाने के लिए तेज दिमाग और सोचने की त्वरित क्षमता यानी 'क्विक विट' की जरूरत होती है। यही नहीं मजेदार लोग आमतौर पर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स और लोगों को बेहतर पढ़ने और समझने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोग चीजों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मुश्किल परिस्थितियों से आसानी से निपट लेते हैं। इसलिए, जोक्स और हास्य में रुचि रखने वाले लोग अकसर ज्यादा स्मार्ट होते हैं। कई शोधों में पाया गया है कि महिलाएं मजाकिया और हंसाने वाले पुरुषों की तरफ अधिक आकर्षित होती हैं। जो लोग मजाकिया होते हैं, वे आमतौर पर आत्मविश्वासी होते हैं और पुरुषों का आत्मविश्वास महिलाओं को हमेशा आकर्षित करता है। मजाकिया लोग अकसर दूसरों के साथ घुल-मिल भी बहुत जल्दी जाते हैं, जिससे वे ज्यादा सामाजिक दिखते हैं।

दिलचस्प-विविधतापूर्ण अप्रैल फूल का इतिहास

परंपरा
अंजू जैन

साइबेले के सम्मान में 25 मार्च को मनाया जाने वाला यह उत्सव लोगों को भेष बदलने के लिए प्रेरित करता था। यह खेल और शरारतों का दिन माना जाता था। लोग तरह-तरह की अनूठी वेशभूषा पहन कर एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे। वर्ष का पहला दिन यानी उत्सव का दिन, जो रात से अधिक लंबा था और इसे एक नए, बेहतर मौसम और उदास सर्दियों के अंत का जश्न मनाने में बिताया गया था। हिलारिया के दौरान कई प्रकार के खेल और मस्ती मनोरंजन किए जाते थे। इसमें छद्म वेश धारण कर लोग अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति की नकल करते थे।

कैलेंडर बदलाव के साथ शुरुआत

एक लोकप्रिय मान्यता यह है कि इसकी शुरुआत 1582 में हुई। उस समय फ्रांस ने जूलियन से बदल कर

ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू किया था। इस बदलाव से पहले, लोग अप्रैल में नया साल मनाते थे। जब तारीख 1 जनवरी को बदल दी गई, तो भी अज्ञानतावश कुछ लोगों ने इसे मार्च के अंत में मनाना जारी रखा और मजाक का पात्र बन गए और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहा गया। *

अप्रैल फूल के दिन यानी पहली अप्रैल को झूठी बातों से मूर्ख बनाने या मजाक करने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। हालांकि इस दिवस की वास्तविक शुरुआत अज्ञात है, लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर तरह-तरह के दिलचस्प और रहस्यमय किस्से प्रचलित हैं।

हास्य कथा से शुरुआत

अप्रैल फूल से जुड़ी एक मान्यता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में फ्रांस में हुई थी। अप्रैल फूल दिवस पर सबसे पहला प्रैंक 1 अप्रैल 1698 को खेला गया था। यह मजाक लंदन के एक समाचार पत्र में प्रकाशित हास्य खबर थी। इसमें मजाकिया अंदाज में लिखा गया था कि दिन के समय चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई दिया था।

मध्यकाल के हिलारिया से शुरुआत

कुछ इतिहासकारों ने अप्रैल फूल डे को प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जोड़ा है। देवताओं की माता

कुछ दिलचस्प तथ्य-मान्यताएं

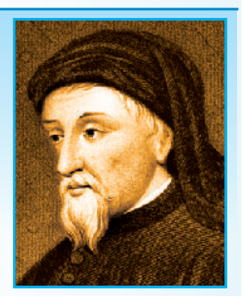
कवि जेफ्री चौसर

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर कुछ और मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

- ईरान में अप्रैल फूल दिवस, फारसी नववर्ष के 13वें दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर 1 अप्रैल के आस-पास होता है।
- अमेरिकी कार्टूनिस्ट चार्ल्स शुल्ज द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' में अप्रैल फूल नामक एक पात्र था, जो अपने दोस्तों के साथ शरारतें करता था।
- मध्ययुगीन यूरोप में 'मूर्खों का पर्व' मनाया जाता था, जो मजाक का दिन था। वहां लोग एक नकली बिशप या पोप का चुनाव करते थे और मजाक में शामिल होते थे। कुछ हद तक, अप्रैल फूल दिवस को सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत को चिन्हित करने वाले त्योहारों से जोड़ा जा सकता है।
- इंग्लिश लेखक और कवि जेफ्री चौसर की द कैंटरबरी टेल्स (1392) में 1 अप्रैल और मूर्खता के बीच पहली बार कनेक्शन दर्ज किया गया था। 'द नंस प्रीस्ट्स टेल' नामक कथा में चैंटिकलर का वर्णन है, जो एक घमंडी मुर्गा है, जिसे एक चालाक लोमड़ी द्वारा धोखा दिया जाता है।
- स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल दिवस को पारंपरिक रूप से 'हंटिगॉक डे' कहा जाता था, जो 'हंट द गॉक' से निकला है, 'गॉक' शब्द स्कॉटिश भाषा में कोयल या मूर्ख व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है। यह स्कॉटिश परंपरा दो दिवसीय कार्यक्रम बन गई, जिसमें लोगों को नकली कामों (हंकटिंग द गॉक) पर भेजा जाता था, उसके बाद टेल डे मनाया जाता था, जिसमें लोगों की पीठ पर नकली पूंछ या 'मुझे लात मारो' के चिन्ह लगाने जैसे मजाक करना शामिल था।

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

अप्रैल फूल डे पर हम सब एक-दूसरे के साथ प्रैंक करते हैं, मजा लेते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो मशहूर कंपनियों ने बड़े स्तर पर लोगों से किए।

अप्रैल फूल के मजेदार-अनूठे प्रैंक

पहली अप्रैल को मित्र मंडली में एक-दूसरे से हंसी-मजाक करने और मूर्ख बनाने की परिपाटी दशकों से है। लेकिन इस मजाक मस्ती में बड़ी-बड़ी कंपनियां, सर्च इंजन और सेलिब्रिटीज भी पीछे नहीं हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

अमेजन का पेटलेक्साः वर्ष 2017 में, अमेजन ने एलेक्सा की तर्ज पर पालतू जानवरों के लिए एक वॉयस असिस्टेंट, पेटलेक्सा की घोषणा की। इस मजेदार वीडियो में कुत्तों और बिल्लियों को अमेजन इको डिवाइस के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इसमें पालतू जानवरों के लिए ट्रीट ऑर्डर करना, उनके लिए संगीत बजाना और यहां तक कि उनके भौंकने को मानवीय भाषा में अनुवाद करना भी शामिल था। पालतू जानवरों के मालिक इस नए आईडिया से हैरान हुए लेकिन यह सिर्फ एक मजाक था।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस का डॉग क्रू प्रैंकः वर्ष 2017 में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस ने अप्रैल फूल के दिन अपने यात्रियों के बीच समाचार फैलाया कि अब उन्हें दुनिया की पहली डॉग इनफ्लाइट क्रू मेंबर टीम मिलेगी। इसमें वे अपने कुत्ते के साथ गलियारे में टहलते हुए, समय बिताने के लिए प्यारे कुत्तों को गले लगाने तक, डॉग क्रू की नई सेवाएं ले सकते हैं। बाद में लोगों को असलियत का पता चला तो उन्हें अपने आप पर खूब हंसी आई।

गूगल का 'माइक ड्रॉप' ई-मेल बटनः गूगल ने वर्ष 2016 में अप्रैल फूल बनाने के लिए जी-मेल में 'माइक ड्रॉप' बटन पेश किया, जिससे इसके यूजर माइक्रोफोन गिराने का जीआईएफ वाला ई-मेल भेज सकते थे। दुर्भाग्य से, इससे काफी गड़बड़ियां हो गईं। गलत मैसेज जाने पर कुछ लोगों की तो नौकरियां चली गईं। गूगल को माफी मांगते हुए तुरंत इसे बंद करना पड़ा।

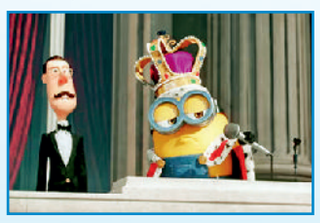

कांच के बॉटम वाला हवाई जहाजः एक बार वर्जिन अटलांटिक एयर लाइंस ने अफवाह फैला दी कि इसके पास अब ग्लास-बॉटम वाले यानी पारदर्शी तल वाले विमान भी हैं। उन्होंने 'दुनिया के पहले ग्लास-बॉटम वाले विमान' के समाचारों के साथ सुर्खियां बटोरीं। नए विमान की तस्वीरें खूब प्रसारित की गईं। उनके इस मजाक पर लोगों ने यकीन भी कर लिया।

टैको लिबर्टी बेलः वर्ष 1996 से अब तक के सबसे बेहतरीन अप्रैल फूल मजाक में शामिल इस शिगूफे में टैको बेल नामक कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन देकर कहा कि उसने ऐतिहासिक और नेशनल आइकन लिबर्टी बेल को खरीद लिया है। यह इतना गंभीर और वास्तविक मजाक था कि कुछ सीनेटर भी इस मजाक में फंस गए। बाद में नेशनल पार्क सर्विस ने इस खबर का खंडन करने के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस भी की। दोपहर में, फास्ट-फूड चेन ने मजाक को स्वीकार किया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक घंटी की देखभाल के लिए 50,000 डॉलर का दान कर रही है।

हवाई अड्डे पर कर दिया कंफ्यूजः वर्ष 1992 में लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर विमान यात्री ज्यों ही उतरे, वे एक बैनर देखकर चकरा गए कि उन्होंने तो लॉस एंजिल्स की फ्लाइट पकड़ी थी फिर पायलट उन्हें शिकागो कैसे ले आया? इस बैनर पर लिखा था, शिकागो में आपका स्वागत है। यह 85 फीट लंबा पीला बैनर था, जिस पर 20 फीट लंबे लाल अक्षरों में ऐसी घोषणा थी। यह बैनर हॉलीवुड पार्क रेस ट्रैक के ठीक ऊपर लटका हुआ था और आने वाले प्रत्येक यात्री को दिखाई दे रहा था। लेकिन जल्द ही वास्तविक स्थिति सबको बता दी गई।

बीएमडब्ल्यू की सेल्फ-क्लीनिंग कारः 2019 में कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्होंने एक सेल्फ-क्लीनिंग कार विकसित की है। वीडियो में एक कार को ब्रश और पानी के जेट से खुद ही साफ होते हुए दिखाया गया था। वास्तव में यह एक बड़ा प्रैंक था। *

व्यंग्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

करते रहते घोटाले

करते रहते घोटाले
कितने हिम्मत वाले हैं।
इनके सारे ही 'करतब',
बिल्कुल तवे-से काले हैं।
पुलिस का इनको खौफ नहीं,
नेताजी इनके साले हैं।
यार-दोस्त इनके सारे,
चक्कू-पिस्टल वाले हैं।

एक नहीं, कई दर्जन,
गुर्गे इन्होंने पाले हैं।
इनसे पंगा मत लेना,
नहीं बख्शने वाले हैं।
ब्लैकमनी को कर दें 'व्हाइट',
इनके खेल निराले हैं।
ये छोटे पैग दूर हटाओ,
ये पीते पटियाले हैं।

स्मरण
चंद्रप्रकाश

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवसः 2 अप्रैल, विशेष

एक से बढ़कर एक शानदार परीकथाओं के लेखक हैंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन (2 अप्रैल) को अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर उनके रचनात्मक अवदान पर एक दृष्टि।

परीकथाओं का महान चितेरा हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

आगामी 2 अप्रैल को हैंस क्रिश्चियन एंडरसन (1805-1875) का जन्मदिन है। वह एक महान किस्सागो थे, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक पुस्तकें लिखीं। लेकिन दुनिया भर में उन्हें उनकी लिखी हुई बच्चों की परीकथाओं की वजह से ज्यादा जाना जाता है। उनकी लिखी एक सौ छप्पन परीकथाएं, नौ किताबों में संकलित हैं। इनके दुनिया भर में एक सौ साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। कुछ देशों में तो उनकी कहानियां स्कूलों में पाठ के रूप में पढ़ाई भी जाती हैं। ये कहानियां, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के बीच पढ़ी और सराही जाती हैं। यह अपनी तरह की बड़ी मिसाल है। बेशक इस काम में डिज्नी की एनिमेटेड फिल्मों ने भी अपना एक बड़ा योगदान दिया है।

एंडरसन का रचना संसारः एंडरसन का जन्म डेनमार्क में कोपेनहेगन के नजदीक ओडेंस नामक स्थान में हुआ था। गरीब और पिछड़े घर में जन्म लेने के कारण इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने शुरू में कुछ नाटक लिखे फिर कुछ आत्म-कथात्मक उपन्यास। उनकी पहली कहानियों की किताब 'बच्चों के लिए कहानियां' साल 1835 में छपकर आई। इसमें एंडरसन ने एक साथ नौ परीकथाएं संकलित की थीं। उनका कहानियां लिखने का यह काम आगे भी लगातार जारी रहा। एंडरसन का कहानी कहने का तरीका काफी अलग और अनोखा था। वे अपनी कल्पना की ताकत के साथ लोक-कथाओं की सरलता भी पिरो देते थे। इससे उनकी ये कहानियां अपने में विभिन्न संस्कृतियों की बातें भी कहती दिखती थीं। इस विषेषता के कारण उनका नाम यूरोप समेत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया।

हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

जीवन में किया भरपूर संघर्षः एंडरसन महान लेखक थे, लेकिन उनके जीवन में भी कम संघर्ष नहीं थे। एंडरसन बड़े हिम्मती और जुझारू थे। वे अपने अकेलेपन और दुख को बड़ी कुशलता से अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे। उनकी यह सजगता उनकी लिखी कहानियों को सुंदर बनाती है। उनकी यह विशेषता, एंडरसन के जीवन की घटनाओं और उनकी बहुत सी रचनाओं पर शोध करने वालों ने पता लगाई है। एंडरसन की लिखी बहुत सी कहानियां उनके बाद के बहुत से लेखकों की प्रेरणा बनीं। उन्होंने भी इनका मर्म अपनी तरह से समझते हुए कई अनोखी रचनाएं की हैं।

एंडरसन की कुछ खूबियां और भी थीं, जिससे वे गजब के कलाकार भी माने जाते थे। वे अपने शुरू के दिनों से नाटकों की दुनिया से जुड़े थे। इसके अलावा कलम और ब्रश की मदद से स्याही के चित्र भी बना लेते थे। कागज की कतरनें चिपका कर कोलाज बनाना भी उन्हें पसंद था। इसके अलावा वे अनोखे किस्सागो थे। जो बच्चों के बीच अकसर किस्से सुनाते हुए बातों-बातों में कैंची से किसी कागज को काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना देते थे। अंग्रेजी में इस तरीके से बनी आकृतियों को 'सिल्हूट' कहा जाता है। कुछ साल पहले जर्मनी के ब्रेमेन शहर में एंडरसन के ऐसे ही बहुत से तरह-तरह के चित्रों को जुटाकर एक बड़ी प्रदर्शनी में दिखाया गया था।

संजोई गई हैं उनकी स्मृतियांः आज भी एंडरसन की याद और सम्मान में दुनिया के कोने-कोने में तरह-तरह की बहुत सी गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें उन पर डाक-टिकट निकालने से लेकर किसी अवसर-विशेष पर प्रदर्शनियां लगाने और जगहों के नाम रखने की बातें भी शामिल हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

टाइट है हिंदी मीडियम

प्रभात रंजन जिस भी विधा में लिखते हैं, अपने अलहदा अंदाज में लिखते हैं। हाल में ही उनकी लिखी एक किताब आई है- हिंदी मीडियम टाइट। इसे किसी एक विधा में बांधकर नहीं देखा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए संस्मरण, रेखाचित्र और व्यंग्य शैली में लिखे गए आत्मकथात्मक उपन्यास का आनंद एक साथ लिया जा सकता है। इसमें प्रभात ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में बिताए अपने छात्र जीवन की उन स्मृतियों को संजोया है, जिससे उस दौर में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने वालों की हीन भावना प्रकट होती है। कहना चाहिए कि इसके बहाने लेखक ने उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर किया है, जो एक भाषा का जानकार होते हुए भी दूसरी प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भाषा पर कमजोर पकड़ के कारण, पूरे व्यक्तित्व को हीनता बोध से ग्रस्त कर देती है। यह किताब हिंदी प्रेमियों, हिंदी के छात्रों, हिंदी के अध्यापकों और हिंदी साहित्यकारों को ही नहीं, हर उस व्यक्ति को भी पढ़नी चाहिए, जो हिंदी को एक भाषा के रूप में नहीं देखते बल्कि पढ़े-लिखे और संभ्रांत समाज में प्रतिष्ठित होने के लिए गैरजरूरी मानते हैं। *

पुस्तकः हिंदी मीडियम टाइट, लेखकः प्रभात रंजन,
मूल्यः 225 रुपए, प्रकाशकः राजपाल एंड संस, दिल्ली

29 JANJ-JANJ PG-04_Layout 1 3/29/2025 9:31 PM Page 1

खबर संक्षेप

युवा अग्रवाल मंच की कार्यकारिणी का गठन, रितु बनी अध्यक्ष

सक्ती। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच महिला इकाई का गठन हुआ। अध्यक्ष रितु अग्रवाल, सचिव उषा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रिंकी अग्रवाल, उपाध्यक्ष निधि अग्रवाल, मीडिया प्रभारी सोनल अग्रवाल, सदस्य सारिका अजय अग्रवाल, मीना अग्रवाल, सारिका अग्रवाल बनाए गए। छत्तीसगढ़ प्रांतीय महामंत्री रीना गेवाडीन के मार्गदर्शन में संपूर्ण करवाई शक्ति के अग्रसेन धर्मशाला में की गई।

हिंदू नव वर्ष एवं नवरात्रि पर भंडारा एवं जगराता आज

जांजगीर। हिंदू नव वर्ष एवं नवरात्रि के प्रथम दिवस के शुभ अवसर पर नगर में भव्य धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 30 मार्च को कचहरी चौक, जय स्तंभ चौक, जांजगीर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के तहत 30 मार्च को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं। भंडारे के बाद रात 8:00 बजे से प्रसिद्ध भजन गायक देवेश शर्मा के नेतृत्व में भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भक्ति संगीत की प्रस्तुति से माहौल भक्तिमय हो जाएगा। यह आयोजन समस्त नगरवासियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और नगर के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

राज्य स्तरीय सतनामी युवक युवती परिचय सम्मेलन आज

जांजगीर-चांपा। श्री गुरु घासीदास सतनामी समाज वैवाहिक समिति छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में राज्य स्तरीय सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन रविवार 30 मार्च को शारदा मंगलम जांजगीर में किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष उमेश कुमार महिलांगे ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य समाज के अविवाहित युवक-युवतियों को एक साझा मंच प्रदान कर उनके बीच परिचय स्थापित करना है, जिससे वैवाहिक संबंधों की प्रक्रिया को सरल और व्यवस्थित बनाया जा सके। उन्होंने सभी समाजजनों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में भाग लेकर इसे सफल बनाएं एवं समाज के नवयुवक-युवतियों के उज्ज्वल भविष्य में सहभागी बनें।

मॉडर्न हाई स्कूल के दो बच्चों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन

हसौद। मॉडर्न हाई स्कूल हसौद से 2 बच्चे दामेश्वरी साहू पिता अजय कुमार साहू एवं दीपांशु कुमार सिदार पिता ललित कुमार सिदार का जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में चयन हुआ है। संस्थान से हर वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में बच्चे का चयन होता है। अब तक मॉडर्न हाई स्कूल हसौद से 25-30 बच्चों का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हो चुका है। विद्यार्थियों के इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए संस्थान के डायरेक्टर लक्ष्मी साहू विदयालय प्राचार्य पंडित नाग, स्कूल को-आर्डिनेटर परदेशी दीपक चौहान के साथ साथ समस्त स्टाफ ने बच्चे एवं उनके पालक को शुभकामनाएं देते हुए बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना किये हैं।

उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षा रत्न सम्मान से सम्मानित हुई ज्योति

चांपा। चांपा की ज्योति सराफ को भांठापारा में श्री 1008 भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक स्थ यात्रा महोत्सव पर चिन्मय सागर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा चिन्मय अलंकरण बृहद शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंगल भवन कृषि उपज मंडी रोड भांठापारा में हुआ। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित शिक्षकों को शिक्षा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अभिषेक मोदी (मोदी फैशन शो रूम) थे। मुख्य अतिथि के रूप में शिवरत्न शर्मा (उपाध्यक्ष, भाजपा), अशोक जैन (अध्यक्ष, एन.पी.), एवं अन्य गणमान्य नागरिक शामिल थे। इस कार्यक्रम के तहत श्रीमती ज्योति सराफ, व्याख्याता (वाणिज्य), शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुर्दा, जिला जांजगीर-चांपा को उत्कृष्ट एवं नवाचारी शिक्षक के रूप में शिक्षा रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया।

जल संसाधन विभाग ने उपयोगहीन नाली बनाकर डुबोए शासन के लाखों रुपए

भीमा तक पानी पहुंचाने पानी की तरह बहाया पैसा, अब तोड़कर दूसरा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

सरकारी पैसे का दुरुपयोग करके शहर की दुर्गति करने और आम लोगों को किस तरह से परेशान किया जाता है इसका बेहतर उदाहरण जिला मुख्यालय में जल संसाधन विभाग द्वारा कराए गए नाली निर्माण के रुप में देखा जा सकता है। यहां लाखों रुपए खर्च करके भीमा तालाब को भरने नाली निर्माण कराया गया,जिससे बूंदभर पानी नहीं पहुंचा, अब उसी को तोड़कर दूसरा निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

खास बात

- बीटीआई चौक के पास नाली तोड़कर बना रहे अटल परिसर

दरअसल नगर के ऐतिहासिक भीमा तालाब को भरने के लिए साल 2017 में एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरु किया गया। भीमा तालाब को मुख्य नहर के माध्यम से भरने के लिए 35 लाख की लागत से नाली निर्माण का कार्य शुरु कराया गया था। काम कई सालों तक चला। इस दौरान बीटीआई चौक से लेकर भीमा तालाब तक नाली निर्माण कर नहर का पानी तालाब में भरने की कवायद की गई। जल संसाधन विभाग के तत्कालीन एसडीओ शशांक सिंह की देखरेख में काम चला।

बीटीआई चौक के पास नाली तोड़कर किया जा रहा अटल परिसर का निर्माण।

हालांकि काम के एवज में ठेकेदार को 22 लाख का भुगतान भी हो गया, लेकिन प्रोजेक्ट फेल हो गया। पानी की तरह पैसा बहाने के बाद भी इस नाली से भीमा तालाब को नहीं भरा जा सका। अब अनुपयोगी हो चुके नाली को बीटीआई चौक के पास तोड़कर अटल परिसर का निर्माण कराया जा रहा है। इसके लिए नाली को तोड़ दिया गया है। इस स्थान पर अटल परिसर के लिए निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। ऐसे में शहर के मुख्य मार्ग के किनारे सालों पहले तोड़फोड़ कर बनाई गई लंबी चौड़ी नाली इन दिनों नगर में चर्चा का विषय बन गई है। उल्लेखनीय है कि जब नाली निर्माण का कार्य चला तो लंबे समय तक क्षेत्रवासी परेशान रहे। हालांकि लोगों को उम्मीद थी कि नाली बनने के बाद भीमा तालाब में जल भराव हो जाएगा, जिससे गर्मी में वाटर लेबल कुछ हद तक मेनटेन रहेगा। निर्माण कार्य में हुई लापरवाही के चलते ऐसा नहीं हो सका। नाली पूरी तरह अनुपयोगी साबित हुई, जिसके चलते अब इसका कुछ हिस्सा तोड़कर अटल परिसर का निर्माण कराया जा रहा है। हालांकि जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रोजेक्ट का काम पूरा नहीं हो सका था। ठेकेदार को भी भुगतान पूरा नहीं हो पाया है। इसलिए ठेकेदार कोर्ट चला गया है। कुल मिलाकर इस प्रोजेक्ट में सरकार के लाखों रुपए की बर्बादी हो गई है।

बना रहे परिसर

शासन के आदेशानुसार अटल परिसर का निर्माण कराया जाना है। काम चल रहा है। नाली का स्वरुप नहीं बदलेगा।

-प्रहलाद पांडेय, सीएमओ
नगर पालिका परिषद जांजगीर-चांपा

काम व भुगतान अधूरा

भीमा तालाब को भरने नाली निर्माण के लिए तकरीबन 35 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे। पूरा भुगतान नहीं हुआ है। काम भी कुछ अधूरा है। मामला कोर्ट में है। नाली तोड़ने की जानकारी नहीं है। वैसे बरसाती पानी निकासी का उपयोग इसमें हो रहा था।

-शशांक सिंह,
कार्यपालन अभियंता एवं तत्कालीन एसडीओ
जल संसाधन विभाग

हिन्दू नववर्ष के स्वागत में आज निकलेगी बाइक रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा को विक्रम संवत्सर का नया वर्ष 2082 के स्वागत के लिए सभी सनातनीयों के द्वारा भव्य मोटरसाइकिल रैली निकल जाएगी। हिन्दुनव वर्ष के स्वागत के लिए बाइक रैली 30 मार्च रविवार को सुबह 9:30 बजे मेजर ध्यानचंद हांकी मैदान भाटापारा जाजंगीर से निकलेगी। यह रैली कचहरी चौक होते हुए विष्णु मंदिर जांजगीर बस्ती होते हुए शारदाचैक होकर नैला रेल्वे स्टेशन होते हुए नेताजी चौक जांजगीर से लिंक रोड होते हुए बी टी आई चौक से होते हुए श्री दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर जांजगीर में बाइक रैली समाप्त होगी। रैली समाप्ति के बाद वही सामूहिक हनुमान चालिसा के पाठ किया जाएगा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। जांजगीर-नैला नगर के सभी लोगों से इस हिन्दु नव वर्ष के भव्य स्वागत रैली में शामिल होने के लिए सर्व हिंन्दु समाज ने अधिकसे अधिक संख्या में उपस्थति की अपील की है। साथ ही सभी अपने मकान, दुकान मंदिर के शिखर पर एक भगवा ध्वज अवस्य लगावें तथा घर के सामने रंगोली सजाकर पांच दीप जलाए से आग्रह किया है। हिन्दु नव वर्ष उपासना और उपवास से शुरु होता है यही सनातनियों के परंपरा है। नव संवत्सर 2082 के शुभागमन के स्वागत के लिए आयोजित इस रैली में डीजे सबसे आगे रहेगा। डीजे के पीछे सभी युवा रहेंगे। उसके पीछे मातृ शक्ति बहने रहेंगी और उसके पीछे वरिष्ठ जन रहेंगे। मेजर ध्यानचंद हांकी मैदान भाटापारा जांजगीर से निकलने वाली बाइक रैली में सभी सनातनी सांस्कृतिक वेशभूषा में रहेंगे।

साहू समाज ने धूमधाम से मनाई माता कर्मा की जयंती

अकलतरा। साहू समाज अकलतरा केंद्र के द्वारा भक्त माता कर्मा जयंती हर्षोल्लाह एवं धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन कर्मा टेंट हाउस परिसर में समाज के वरिष्ठ सदस्यों के आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि साहू समाज की आराध्य देवी कर्मादेवी सेवा, त्याग और भक्ति समर्पण की देवी हैं। कर्माबाई की गौरव गाथा जनमानस में श्रद्धा तथा भक्तिभाव से वर्षों से चली आ रही है। मां कर्मादेवी का जन्म पापमोचनी एकादशी के दिन हुआ था। उनमें बाल्यावस्था से ही धार्मिक कहानियां सुनने की रुचि हो गई थी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को शाल एवं श्रीफल प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगाचार्य हर नारायण साहू एवं आभार प्रदर्शन अकलतरा तहसील अध्यक्ष विजय साहू ने किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश साहू ,धनाराम साहू ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिलेश्वर साहू ,जनपद सदस्य ईश्वर साहू ,श्रीमती सरिता साहू, श्रीमती बिरस साहू, महावीर साहू ,योगेश साहू, हरीश साहू, दिगपाल साहू ,पन्नालाल साहू, दीपक साहू एवं संभव समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नगर में अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अकलतरा

नगर पालिका के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों के द्वारा नगर में अभियान चलाकर नगर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

खास बात

- घर के आस पास एवं प्रतिष्ठानों के सामने कचरा नहीं डालने की गई अपील

नगर पालिका की टीम के द्वारा रेलवे स्टेशन , शास्त्री चौक एवं थाना रोड होते हुए मिशन क्लीन सिटी तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों ने नगर वासियों से घर के आस पास एवं प्रतिष्ठानों के सामने कचरा न डालने एवं नगर पालिका के कचरा उठानेवाली गाड़ी को कचरा देने के लिए अपील करते हुए नगर को स्वच्छ बनाने के लिए शहरवासियों से सहयोग मांगा।

नगरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सीएमओ एवं पार्षदों के द्वारा मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों को साड़ी ,जैकेट, हैंड ग्लोब, मास्क, टोपी, जूता, मोजा वितरण किया गया। स्वच्छता जन जागरूकता अभियान में नगरपालिका अध्यक्ष दीप्ति रोहित सारथी, उपाध्यक्ष दिवाकर राणा, सीएमओ संजय सिंह ,धनराज सिंह चौहान, विजय खांडेल, दिनेश दास, आशीष प्रसाद, विवेक सिंह मोनू नामदेव, पिंटू बरेठ, हितेश पालीवाल सुरेश मिर्चनय, संतन सिन्हा एवं स्वच्छता दीदी और नगर पालिका के स्टाफ उपस्थित थे।

चेट्रीचण्ड्र महोत्सव आज, निकलेगी बहराणा साहिब की शोभा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ चांपा

स्थानीय सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल जयंती चेट्रीचण्ड्र महोत्सव के रूप में रविवार 30 मार्च को परंपरानुसार मनाई जायेगी। इस मौके पर पूज्य सिंधी पंचायत बस्ती एवं पूज्य सिंधी पंचायत सिंधी कॉलोनी द्वारा बहराणा साहिब की शोभा यात्रा निकाली जायेगी। साथ ही दोपहर एवं रात्रि में आम लंगर का भी आयोजन किया जायेगा।

पूज्य सिंधी पंचायत बस्ती द्वारा चेट्रीचण्ड्र पर्व के उपलक्ष्य में गुरूवार 27 मार्च को रात्रि 9 बजे से कुश वाटिका में अरूधन बत्रा आर्केस्ट्रा नागपुर के जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा शुक्रवार 28 मार्च को सुबह 6.30 बजे से सायकल रेस का आयोजन किया गया। शनिवार 29 मार्च को सायं 6 बजे से राधाकृष्ण मंदिर चौक से समाज के युवक-युवतियों द्वारा बाईक रैली नगर में निकाली गई जिसका समापन रात्रि में सदर बाजार स्थित सिंधी गुरूद्वारे में हुआ। यहां रात्रि 9 बजे से वीडियो हाऊजी के साथ रात्रि भोजन की भी व्यवस्था रखी गई है। रविवार 30 मार्च को पूज्य सिंधी पंचायत बस्ती एवं पूज्य सिंधी पंचायत सिंधी कॉलोनी द्वारा अलग-अलग सायं 5 बजे से बहराणा साहिब की शोभा यात्रा निकाली जायेगी। नगर भ्रमण के बाद दोनों ही समाज द्वारा रात्रि में क्रमशः रामबांधा तालाब एवं डोंगाघाट में ज्योत का विसर्जन किया जायेगा। इस दिन पूज्य सिंधी पंचायत सिंधी कॉलोनी द्वारा दोपहर 1 बजे से सिंधु भवन में तथा पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा रात्रि 8.30 बजे से सोझी घाट स्थित सिंधी गुरूद्वारे में आज लंगर का आयोजन किया गया है। सिंधी समाज के लोग झूलेलाल जयंती चेट्रीचण्ड्र पर्व को सफल बनाने में जोर-शोर से लगे हुए हैं।

गौ पालन एवं वर्मी कंपोस्ट बनाने की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहेराडीह

प्रशिक्षण में शामिल महिलाएं एवं अन्य।

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कोनी सेन्दरी बिलासपुर में मूंगेली जिले की पशु सखीयो का 10 दिवसीय गौ पालन उद्यमी एवं 6 दिवसीय बैंक सखी बीसी/बीएफ का हुआ समापन का हुआ। समापन प्रशिक्षण हेतु जिला मुंगेली द्वारा प्रशिक्षण में अपना सहयोग प्रदान किया गया जिसमें 31 पशु सखी एवं 23 बैंक सखी ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नेशनल अकैडमी आफ रूडसेटी के छत्तीसगढ़ राज्य के कंट्रोलर अरुण कुमार सोनी के निर्देश पर बहेराडीह, जांजगीर चाम्पा जिले के प्रतिनियुक्त मूल्यांकन अधिकारी दीनदयाल यादव एवं बिलासपुर से सुरजीत गुहा द्वारा किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया में लिखित ,मौखिक और प्रायोगिक परीक्षा ली गई। प्रशिक्षण में 31 महिला कृषक उद्यमीयों ने परीक्षा दी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हे गौ पालन एवं वर्मी कंपोस्ट व्यावसाय के साथ व्यावसायिक गुण ,बाजार सर्वेक्षण, बैंकिंग ऋण प्रक्रिया क्षेत्र भ्रमण कर गाय में टीकाकरण नस्ल एवं बीमारी के विषय में वृहद जानकारी प्रदान की गई। संस्थान के निदेशक राजेन्द्र कुमार साहू द्वारा जानकारी दी गई है कि रोजगारोन्मुख कार्यक्रम के संचालन किए जाते है। आगामी प्रशिक्षण की जानकारी प्रशिक्षक वर्षा वासुदेव और वरिष्ठ संकाय श्रीमती दीप्ति मंडल व संकाय पुरुषोत्तम कहरा द्वारा दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुंगेली जिले के कृषि सखी नंदिनी गोयल, द्रोपती सोनवानी, सरिता कुंभकार, गीता कुर्रे, समृता भास्कर, सविता कुर्रे, रंजीता पात्रे,कमलेश कुमारी, जमुना बंजारे, चन्द्रकला मरावी, गंगोत्री बर्मेन, प्रतिभा धृतलहरे,मनीषा यादव, चित्ररेखा साहू, संतोषी भारती, संगीता बघेल, राजकुमारी ध्रुव, नंदिनी दिवाकर, पुष्पा साहू, लक्ष्मी कश्यप, ममता कश्यप, महादेवी कुरमित्र, चंद्रमुखी तिवारी, कांतिबाई पटेल, रजनी ठाकुर, भगवती धुरी, अंजोलिया साहू, उर्वशी साहू, जयंती पोर्ते, शालिनी चंद्राकर, कमलेश सुमन शामिल हुई।

नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी, रोज फंस रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ डभरा

नगर पंचायत डभरा ठेकेदार ने ऐसा नाली निर्माण कराया है कि रोज उसमें वाहन के पहिये धंस रहे हैं। नाली में न ही तो ठीक से सीमेंट लगाया गया है न ही छड़ लगाया गया है परिणामस्वरूप प्रतिदिन रास्ता जाम हो रहा है।

विदित हो कि नगर पंचायत डभरा में बालाजी कंस्ट्रक्शन के द्वारा करोड़ों रुपये का सड़क एवं नाली निर्माण कराया गया है। सड़क का निर्माण स्तरहीन होने के चलते हर दिन इसका खामियाजा राहगीरों और वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। नाली निर्माण ठीक नहीं होने के चलते प्रतिदिन कोई न कोई वाहन उसमे फंस रहे हैं न तो ठीक से सीमेंट लगाया गया है और छड़ तो खोजना पड़ रहा है। इसके अलावा ठेकेदार जगह जगह नाली को अधूरा कर छोड़ दिया गया है, जिससे लोगों को खतरा बना हुआ है वही हाल सड़क का है उसे भी अधूरा छोड़ दिया गया है और जो सड़क बनाया गया है उसमें से भी सीमेंट गायब हो गया है सिर्फ गिट्टी ही गिट्टी नजर आ रहा है। इस तरह से नगर पंचायत के करोड़ों का निर्माण कार्य भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया है अधिकारीगण ध्यान नहीं दे रहे हैं। ठेकेदार के द्वारा जिस तरह से कार्य किया गया है उस पर कड़ी कार्यवाही किये जाने की आवश्यकता है। नगरवासियों ने ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। इस संबंध में नगर पंचायत डभरा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी आर दिनकर ने कहा कि ठेकेदार के द्वारा किये गए निर्माण कार्य की जांच करायी जाएगी और उचित कार्यवाही किया जाएगा।

नाली में फंसा वाहन।

मड़वा विद्युत संयंत्र के खिलाड़ियों ने जीते छह पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर-चांपा

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अंतरक्षेत्रीय शक्तितोलन एवं शरीर शौष्ठव प्रतियोगिता में अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा के खिलाडियों ने छह पुरस्कार जीते हैं। वहीं शरीर शौष्ठव के टीम चैम्पियनशिप में मड़वा के खिलाड़ियों पर रहे। दोनों वर्ग की प्रतियोगिता में खिलाड़ी बलराम वस्त्रकार ने पहला हासिल किया है। प्रतियोगिता से लौटकर खिलाड़ियों ने मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया से मुलाकात की। मुख्य अभियंता ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उन्हें आगे भी अच्छा प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

- विद्युत कंपनी अंतरक्षेत्रीय प्रतियोगिता बिलासपुर में आयोजित

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अंतरक्षेत्रीय शक्तितोलन एवं शरीर शौष्ठव प्रतियोगिता बिलासपुर में आयोजित की गई। 23 से 24 मार्च तक आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में विद्युत कंपनी के 9 रीजन के खिलाड़ियों ने भाग लिया। शक्तितोलन प्रतियोगिता के 59 से 66 किलोग्राम भार वर्ग में बलराम वस्त्रकार ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि 74 से 83 किलोग्राम भार वर्ग में कन्हैया लाल चंद्रा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं भार वर्ग 105 में 120 किलोग्राम में नितिन श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान हासिल किया। शरीर शौष्ठव प्रतियोगिता के 167 से 172 सेमीमीटर ऊंचाई समूह में बलराम वस्त्रकार ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि विनोद राठौर ने 167 से 172 सेमी. ऊंचाई में तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं 172 सेमीमीटर से ज्यादा ऊंचाई समूह में राजेश कसेर प्रथम स्थान पर रहे। इसके अलावा टीम चैम्पियनशिप में मड़वा विद्युत संयंत्र के खिलाड़ी एचटीपीएस कोरबा पश्चिम के खिलाड़ियों के साथ उपविजेता बने। स्पर्धा के समापन समारोह में खिलाड़ी कन्हैया लाल चंद्रा को सेवानिवृत्ति के पूर्व अंतिम स्पर्धा होने के कारण उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।

मुख्य अभियंता के साथ उपस्थित खिलाड़ी।